Sri Arvind Mahila College, Patna

Accredited by NAAC with B^+ Grade

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)

Department of Physics

Educational Tour to Zoological Survey of India, Patna

Date:20.04.2022

महाविद्यालय के भौतिकी विभाग की छात्राओं ने दिनांक 20.04.2022 को भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के पटना स्थित म्यूजियम का दौरा किया और पशु पक्षियों के संसार के बारे में जानकारी हासिल किया.

जंतु
संग्रहालय
MUSEUM
जंतु

भारत का सबसे बड़ा गांगेय डॉल्फिन
(Platanista gangetica gangetica)
THE NATIONAL AQUA

4 | दैनिक जागरण
पटना, 21 अप्रैल 2022

एक नजर में

छात्राओं ने किया म्यूजियम का भ्रमण, ली जानकारी

पटना : श्री अरविंद महिला कालेज की विज्ञान विभाग के छात्राओं ने बुधवार को भारतीय प्राणी सर्वेक्षण की म्यूजियम का दौरा किया। जहां सहायक निदेशक गोपाल शर्मा व अन्य वैज्ञानिकों ने छात्राओं को पशु–पक्षियों के बारे में विशेष रूप से जानकारी दी। विशेष रूप से डाल्फिन के बारे में जानकारी देते हुए इसके संरक्षण को लेकर जानकारी साझा की। निदेशक ने बताया कि म्यूजियम में जीवों की करीब 1000 प्रजातियों के बारे में छात्राओं को जानकारी दी गई है। म्यूजियम घूमने के दौरान छात्राओं के साथ भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डा . मिनी सिन्हा उपस्थित रहीं। (जासं)

अरविन्द महिला कॉलेज

छात्राओं ने पशु-पक्षियों के संसार को करीब से जाना

पटना| श्री अरविन्द महिला कॉलेज की छात्राओं ने बुधवार को भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के म्यूजियम का दौरा किया। इसमें छात्राओं ने पशु-पक्षियों के संसार के बारे में जाना और विशेष तौर पर गांगेय डाल्फिन के बारे में जानकारी हासिल की। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गोपाल शर्मा व अन्य वैज्ञानिकों ने छात्राओं को म्यूजियम का भ्रमण कराते हुए पशु-पक्षियों के बारे में कई रोचक जानकारी दी। छात्राओं को खासकर गंगा डॉल्फिन के बारे में बताया गया। डॉ. गोपाल शर्मा ने छात्राओं को बताया कि म्यूजियम में 1000 प्रजाति के पक्षी और 100 प्रजातियों के जन्तु उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि जीव-जंतुओं पर कई तरह के खतरे मंडरा रहे हैं इसलिए उनके संरक्षण की आवश्यकता है। डॉल्फिन के बारे में उन्होंने छात्राओं को नई-नई जानकारी दी। छात्राओं को लेकर भ्रमण पर गईं भौतिकी विभाग की अध्यक्ष मिनी सिन्हा ने कहा कि म्यूजियम हमारे ज्ञान को व्यावहारिक धरातल पर समृद्ध करता है। यहां हम पशु-पक्षियों के अतीत और वर्तमान से रू-ब-रू होते हैं। म्यूजियम देखने के बाद एक क्वेश्चन सेशन हुआ जिसमें छात्राओं ने कई तरह के सवाल पूछे और अपनी जिज्ञासाओं के अनुरूप जानकारी हासिल की।